दूरभाष/Tel: 01461 232096)
मोबाइल/Mobile: 07976966603
फैक्स/Fax : 05644 260565/260575 (DRMR)
ईमेल /Email: kvkbansur@gmail.com

कृषि विज्ञान केन्द्र
KRISHI VIGYAN KENDRA

(भा.कृ.अनु.प.–सरसों अनुसंधान निदेशालय)
(ICAR-DIRECTORATE OF RAPESEED-MUSTARD RESEARCH)
गुंता, बानसूर, अलवर (राजस्थान) 301 402
Gunta, Bansur Alwar (Rajasthan) 301 402

डॉ. सुशील कुमार शर्मा
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
Dr. Sushil Kumar Sharma
Sr. Scientist & Head

F. No.: KVK/Hort./2020/Press Date: **30/04/2020**

योजना बनाकर ही फलोद्याान लगायें

बानसूर ! गुंता स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार शर्मा के निर्देशानुसार केन्द्र के बागवानी विशेषज्ञ डॉ. प्रेमचन्द गढ़वाल ने कहा कि लम्बे समय तक अपने फलोद्यान को उपयोगी बनाने के लियें जरूरी है कि फलो के पौधे लगााने से पूर्व प्रत्येक फसल के लियें उचित दूरी पर योजनानुसार गड्ढे बनायें, ताकि फल वृक्षों को अनुपयोगी होने बचाया जा सकें। उन्होंने बताया की इस क्षेत्र में अनार के लिये 5 मीटर तथा सीताफल, अमरूद व नींबू वर्गीय फलों के लियें 6 मीटर की दूरी पर 60 सेंमीं चोड़ा तथा गहरा गड्ढा बनायें तथा आंवला, बेर, खजूर, जामून, बील, लसोड़ा तथा चीकू के लिए 8 मीटर की दूरी पर 1 मीटर गहरा व चौड़ा गड्ढा बनाना चाहिए। पपीता व फालसा के लिये 2 मीटर की दूरी पर 45 सेमी. गहरा व चौड़ा गड्ढा बनाना चाहिए। गड्ढे पौधारोपण से एक महिने पूर्व उचित दूरी के अनुसार बनाकर तेज धूप मे सुखाने चाहिए, जिससे पौधो की जड़ो का विकास अच्छी तरह से हो सके, मिट्टी की जलधारण क्षमता बढ़े तथा किसी भी प्रकार के रोग व कीटों के प्रकोप की संभावना भी कम रहती है। डॉ. गढ़वाल ने बताया की सभी फलों के लगाने का उपयुक्त समय जुलाई–अगस्त है, जिसके लियें गड्ढे खोदने का यह उपयुक्त समय है। उन्होने बताया की पौधारोपण करते समय 10 किलो गोबर या केंचूआ की खाद, 250 ग्राम डी.ए.पी., (85 ग्राम एम.ओ.पी. या 300 ग्राम एस.एस.पी.), 25 ग्राम सूक्ष्म तत्व मिश्रण, 50 ग्राम नीम की खाद तथा 8 से 10 मि.ली. ईमिडाक्लोपिड का मिश्रण प्रति गड्ढे में मिट्टी के साथ डालकर शाम के समय पौधा लगाये। इसके बाद 75 ग्राम यूरिया प्रति महिने तीन महीने तक सिंचाई पानी के साथ देवें ताकि बढ़वार अच्छी रहे। आठ से छः महिने पुराने पपीता के पौधे में 200 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश तथा 100 ग्राम यूरिया प्रति महिने सिंचाई पानी के साथ देने की सलाह दी। साथ ही किसान भाईयो को यह सलाह भी दी कि गर्मी में सब्जी फसलों, फलो की तुड़ाई उचित समय पर करके अच्छी तरह से ग्रेकडिंग, पैकिंग कर बाजार में बेंचे

ताकि उचित भाव मिल सके। फलो की तुड़ाई सुबह के समय ठंडे मौसम मे करें। खेती का कार्य करते समय उचित सामाजिक/शारीरिक दूरी (6–7 फीट) बनाए रखें, हाथो को साबून से बार–बार धोते रहें। खेत मे कार्य करते समय अपने मुँह पर मास्क का प्रयोग अवश्य करें । कृषि कार्यों मे उपयोग लिए जाने वाले औजार व मशीन जैसे थ्रेशर, ट्रेक्टर, ट्रोली, हल, स्प्रेयर व अन्य औजारो की सफाई व उचित सेनीटाईजेशन करके ही उपयोग में लें। कोविड–19 वायरस बीमारी से सतर्क और बचे रहने के लिए अपने मोबाईल मे 'आरोग्य सेतु' एप अवश्य डाउनलोड कर लें।

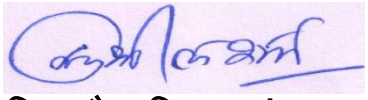

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
केवीके, गुंता, बानसूर, अलवर–II